Job

Chapter 25

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיַּ֗עַן	בִּלְדַּ֥ד	הַשֻּׁחִ֗י	וַיֹּאמַֽר׃
और–उत्तर–दिया	बिल्दद	शूही	और–कहा
	H1085	H7747	H0559

> फिर शूह प्रदेश के निवासी बिल्दद ने उत्तर देते हुये कहा:

2

הַמְשֵׁ֣ל	וָפַ֣חַד	עִמּ֑וֹ	עֹשֶׂ֥ה	שָׁ֝ל֗וֹם	בִּמְרוֹמָֽיו׃
शासन	और–भय	उसके–साथ	बनाने–वाला	शांति	अपनी–ऊँचाइयों–में
H4910	H6343			H7965	H4791

> “परमेश्वर शासक है और हर व्यक्ति को चाहिये की परमेश्वर से डरे और उसका मान करे। परमेश्वर अपने स्वर्ग के राज्य में शांति रखता है।

3

הֲיֵ֣שׁ	מִ֭סְפָּר	לִגְדוּדָ֑יו	וְעַל־	מִ֝֗י	לֹא־	יָק֥וּם	אוֹרֵֽהוּ׃
क्या–है	गिनती	उसकी–सेनाओं–की	और	किस–पर	नहीं	उदय–होती	उसकी–ज्योति
H3426	H4557	H1416		H4310	H3808		H0216

> कोई उसकी सेनाओं को गिन नहीं सकता है, परमेश्वर का प्रकाश सब पर चमकता है।

4

וּמַה־	יִּצְדַּ֣ק	אֱנ֣וֹשׁ	עִם־	אֵ֑ל	וּמַה־	יִּ֝זְכֶּ֗ה	יְל֣וּד	אִשָּֽׁה׃
और–कैसे	धर्मी–ठहरेगा	मनुष्य	के–साथ	ईश्वर	और–कैसे	शुद्ध–होगा	जन्मा	स्त्री–से
H4100	H6663	H0582		H0410	H4100	H2135	H3205	H0802

> किन्तु सचमुच परमेश्वर के आगे कोई व्यक्ति उचित नहीं ठहर सकता है। कोई व्यक्ति जो स्त्री से उत्पन्न हुआ सचमुच निर्दोष नहीं हो सकता है।

5

הֵ֣ן	עַד־	יָ֭רֵחַ	וְלֹ֣א	יַאֲהִ֑יל	וְ֝כוֹכָבִ֗ים	לֹא־	זַכּ֥וּ	בְעֵינָֽיו׃
देखो	यहाँ–तक	चन्द्रमा	और–नहीं	वह–चमकता	और–तारे	नहीं	शुद्ध–हैं	उसकी–दृष्टि–में
H2005	H5704	H3394	H3808	H0166	H3556	H3808	H2141	

> परमेश्वर की आँखों के सामने चाँद तक चमकीला नहीं है। परमेश्वर की आँखों के सामने तारे निर्मल नहीं हैं।

6

אַ֭ף	כִּֽי־	אֱנ֣וֹשׁ	רִמָּ֑ה	וּבֶן־	אָ֝דָ֗ם	תּוֹלֵעָֽה׃	פ
कितना–अधिक	कि	मनुष्य	कीड़ा	और–पुत्र	आदमी–का	कीट	—
H0637		H0582	H7415		H0120		

> मनुष्य तो बहुत कम भले है। मनुष्य तो बस गिंडार है एक ऐसा कीड़ा जो बेकार का होता है।”